"गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड का सन्देश"

65वें गणतन्त्र दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं प्रदेश के समस्त छात्र–छात्राओं, अध्यापकों अन्य अभिकर्मियों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

26 जनवरी, 2014 को भारतीय गणतन्त्र को 64 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इन वर्षों में भारतीय गणतन्त्र प्रजातान्त्रिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुये निरन्तर विकास की ओर अग्रसर है। राज्य गठन के पश्चात विद्यालयों की स्थापना और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार की दृष्टि से अनेक कार्य किये गये हैं। आशा है कि भविष्य में भी शिक्षा के प्रसार एवं उन्नति में सब अपना योगदान देते रहेंगे। जिस प्रकार भारत का संविधान हमारे लिए एक मार्गदर्शक है उसी प्रकार शिक्षा का अधिकार अधिनियम हमारे लिए लक्ष्य निर्धारण एवं कार्य योजना तैयार कर अमल में लाने के लिए प्रकाश स्तम्भ हैं। प्रत्येक बच्चे को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना हमारी संवैधानिक प्रतिबद्धता है। इस प्रतिबद्धता को निभाने के लिए हमें एकजुट प्रयास करने होंगे।

अध्यापक पूर्ण मनोयोग से विद्यार्थीयों को शिक्षा प्रदान करने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें। जिससे विद्यार्थी अधिकाधिक ज्ञानार्जन कर सकें। कक्षावार, विषयवार छात्रों को कितना ज्ञान होना चाहिए इसको प्रदर्शित करने हेतु प्रत्येक विद्यालय में फ्लैक्स चार्ट लगाये जा रहे हैं। जिससे अभिभावकों एवं जन सामान्य को भी ज्ञात रहे कि उसके पाल्य को किस विषय का ज्ञान होना चाहिए। इससे अभिभावकों में भी अपने पाल्य की शिक्षा प्रगति के प्रति रूचि उत्पन्न होगी। सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत विकसित कार्यपुस्तिकाओं में भी इसे सम्मिलित किया गया है।

शिक्षा के अतिरिक्त विद्यालयों के सर्वांगीण विकास हेतु भी कार्य किये जाने की आवश्यकता है। इसके लिए विद्यार्थियों की अभिरूचियों को चिन्हित कर उन्हें खेल–कूद, स्काउट–गाइड, गीत–संगीत, वाद–विवाद प्रतियोगिता, आलेखन आदि अभिरूचियों को आगे बढ़ाने हेतु भी प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना है। मध्यान भोजन योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में हाथ धोओ अभियान प्रारम्भ किया गया है जोकि इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार के क्रियाकलापों को निरन्तर बनाये रखने का मैं आपसे आह्वान करता हूं।

अधिकारियों से मैं अपील करता हूँ कि वे शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों एवं विद्यालयों की समस्याओं का त्वरित समाधान करें, समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलम्ब होने से पठन–पाठन कार्य प्रभावित होने की सम्भावना बनी रहती है।

इस अवसर पर देश के शहीदों, राष्ट्र के सेवा में अपना अभीष्ट योगदान करने वाले सपूतों को याद करते हैं तथा गणतंत्र दिवस के इस पर्व पर संकल्प लेते हैं कि हम अपने कार्यों को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ सम्पन्न करेंगे। पुनः आपको 65वें गणतंत्र दिवस की शुभकामना एवं बधाई देता हूँ।

जय हिन्द, ।

(आर.के.कुँवर)
निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड।